भजन

खेल ने ऐसा भुलाया न कभी याद आया
आपने याद दिलाया तो हमें याद आया

1–हम कभी साथ तेरे वृन्दावन में आए थे
माया में चल के कदम,धाम के दिखाये थे
एक पल तुझसे बिछुड़ना ,ना कभी याद आया

2–तूने जब मधुबन में,बांसुरी जब बजाई थी
छोड़ कर झूठे ये तन,आत्माएँ आई थी
रास मधुबन में रचाना,अब हमें याद आया

3–आये दो बार मगर,दिल से न ये चाह घटी
तीसरी बार माया ने,किया बड़ा है दुखी
माया के फंद छुड़ाओ,अब हमें याद आया

4–सतगुरू बन के,मेरे धाम के दूल्हा आये हैं
कब्रो से मुर्दे उठे,जाम वो पिलाए है
किया प्रकाश वाणी का,अब हमें याद आया